VOLUME- 1I ISSU -1I 16 March 2026
Dikshaurjit International Interdisciplinary Online Research Journal, Latur (DIIRJL)
Add.:Khadgaon Rd,Sambhaji Nagar,Near Smt.SushiladeviDeshmukh Senior College, LaturLatur, Maharashtra 413512, India.
Phone:9890408998, 8329647660Email ID: diirjournal@gmail.comWebsite:https://www.diirjournal.com

प्रा.संजय व्यंकटराव पन्हाळे
छत्रपती शिवाजी महाविद्यालय, जेवळी

प्रेमचंद की कहानियों में नारी का चित्रण

१. सारांश

हिंदी साहित्य में नारी का चित्रण एक महत्वपूर्ण विषय रहा है। महान कथाकार मुंशी प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में समाज की वास्तविकताओं को अत्यंत संवेदनशीलता के साथ प्रस्तुत किया है। उनकी कहानियों में नारी के जीवन, उसकी समस्याओं, संघर्षों और त्याग का यथार्थ चित्रण मिलता है।

इस शोध का उद्देश्य प्रेमचंद की कहानियों में नारी के विभिन्न रूपों का अध्ययन करना है। अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि प्रेमचंद ने नारी को केवल एक कमजोर पात्र के रूप में नहीं बल्कि एक संघर्षशील, सहनशील और स्वाभिमानी व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया है।

२. प्रस्तावना

हिंदी साहित्य में नारी का चित्रण समाज की स्थिति को समझने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। समाज में नारी की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही है, फिर भी उसे लंबे समय तक सामाजिक बंधनों और असमानताओं का सामना करना पड़ा है।

मुंशी प्रेमचंद ने अपने साहित्य में समाज की समस्याओं को यथार्थ रूप में प्रस्तुत किया है। उनकी कहानियों में किसानों की गरीबी, सामाजिक असमानता और नारी जीवन की कठिनाइयों का गहरा चित्रण मिलता है।

३. प्रेमचंद का साहित्यिक परिचय

मुंशी प्रेमचंद हिंदी और उर्दू साहित्य के महान कथाकार माने जाते हैं। उनका वास्तविक नाम धनपत राय श्रीवास्तव था।

उन्होंने अपने साहित्य में समाज के शोषित और कमजोर वर्गों की समस्याओं को प्रमुखता से उठाया। उनकी प्रसिद्ध कहानियों में कफन, पूस की रात और बड़े घर की बेटी प्रमुख हैं।

४. अनुसंधान की समस्या

प्रेमचंद की कहानियों में नारी का चित्रण समाज की वास्तविकता को दर्शाता है। यह अध्ययन यह समझने का प्रयास करता है कि प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में नारी को किस रूप में प्रस्तुत किया है।

५. अनुसंधान के उद्देश्य

१.प्रेमचंद की कहानियों में नारी के चित्रण का अध्ययन करना।
२.नारी के विभिन्न रूपों का विश्लेषण करना।
३.प्रेमचंद के साहित्य में नारी की सामाजिक स्थिति को समझना।
४.नारी के संघर्ष और त्याग को समझना।

६. अनुसंधान गृहितक

प्रेमचंद की कहानियों में नारी का चित्रण समाज की वास्तविक स्थिति को दर्शाता है और नारी के संघर्ष, त्याग तथा आत्मसम्मान को उजागर करता है।

७. अनुसंधान पद्धति

इस शोध में मुख्य रूप से साहित्यिक अध्ययन पद्धति का उपयोग किया गया है।

अध्ययन के लिए प्रेमचंद की विभिन्न कहानियों और साहित्यिक पुस्तकों का विश्लेषण किया गया।

८. प्रेमचंद की कहानियों में नारी के विभिन्न रूप

१. त्यागमयी नारी

प्रेमचंद की कहानियों में कई नारी पात्र परिवार के लिए अपने सुखों का त्याग करती हैं।

२. संघर्षशील नारी

कई कहानियों में नारी कठिन परिस्थितियों का सामना करते हुए संघर्ष करती दिखाई देती है।

३. सहनशील नारी

प्रेमचंद ने नारी की सहनशीलता और धैर्य को भी दर्शाया है।

४. स्वाभिमानी नारी

कुछ कहानियों में नारी अपने आत्मसम्मान की रक्षा के लिए खड़ी होती है।

९. प्रमुख कहानियों का विश्लेषण

बड़े घर की बेटी

बड़े घर की बेटी में नारी का चरित्र आदर्श, सहनशील और समझदार रूप में प्रस्तुत किया गया है।

१.कफन

कफन में नारी की पीड़ा और गरीबी का यथार्थ चित्रण किया गया है।

२.पूस की रात

पूस की रात में किसान जीवन के साथ-साथ नारी जीवन की कठिनाइयों का चित्रण मिलता है।

१०. चर्चा

प्रेमचंद की कहानियों में नारी केवल एक पात्र नहीं बल्कि समाज की वास्तविक स्थिति का प्रतीक है। उन्होंने नारी को समाज के केंद्र में रखकर उसकी समस्याओं और संघर्षों को उजागर किया है।

११. निष्कर्ष

इस अध्ययन से यह स्पष्ट होता है कि मुंशी प्रेमचंद ने अपनी कहानियों में नारी जीवन का अत्यंत यथार्थ और संवेदनशील चित्रण किया है।

उन्होंने नारी को केवल एक पीड़ित पात्र के रूप में नहीं बल्कि संघर्षशील और स्वाभिमानी व्यक्तित्व के रूप में प्रस्तुत किया है। प्रेमचंद का साहित्य समाज को नारी के सम्मान और समान अधिकारों का संदेश देता है।

१२. संदर्भ

मुंशी प्रेमचंद - मानसरोवर (कहानी संग्रह)

मुंशी प्रेमचंद - कफन और अन्य कहानियाँ

आचार्य रामचंद्र शुक्ल - हिंदी साहित्य का इतिहास

आधुनिक हिंदी कहानी - विभिन्न आलोचनात्मक पुस्तकें

साहित्यिक पत्रिकाएँ और इंटरनेट स्रोत